एम. ए. पूर्वार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

इकाई – 1

आदिकाल –

साहित्य की इतिहास दृष्टि, हिन्दी साहित्य का आरम्भ (पूर्वापर सीमा निर्धारण) कब और कैसे? पृष्ठभूमि, रासो साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य, आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएं, आदिकाल की प्रवृत्तियां, परवर्ती साहित्य पर आदिकालीन साहित्य का प्रभाव।

इकाई –2

भक्तिकाल –

पूर्वापर सीमा निर्धारण भक्ति आन्दोलन, उदय के कारण, सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां, आलवार सन्त, सांस्कृतिक चेतना एवं प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, चेतना एवं भक्ति आन्दोलन।

हिन्दी सन्त काव्य –

सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और उनका वैशिष्ट्य, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी सूफी काव्य –

सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य, हिन्दी सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व, कवि और काल, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं।

हिन्दी कृष्ण काव्य –

विविध सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कवि और काव्य, कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएं, भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य।

इकाई – 3

रीतिकाल :–

रीतिकाल सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, पूर्वापर सीमा निर्धारण, रीति काव्य के मूल स्रोत, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्यधाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका वैशिष्ट्य, दरबारी संस्कृति और लक्षण। रीति ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ (वीर, भक्ति एवं नीति काव्य)

इकाई – 4

आधुनिक काव्य –

नामकरण और आधुनिकता की अवधारणा, पूर्वापर सीमा निर्धारण, पृष्ठभूमि। पद्य आधुनिक हिन्दी कविता के विकास के विभिन्न सोपान।

भारतेन्दु युग –

सांस्कृतिक पुनर्जागरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान।

द्विवेदी युग –

हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय काव्य धारा, प्रेम और मस्ती की काव्य धाराएँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद।

छायावाद –

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद – नामकरण, प्रवृत्तियाँ, उद्‌भव के कारण और परिस्थितियाँ, प्रमुख कवि – प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी।

प्रगतिवाद –

प्रगतिवाद और प्रगतिशीलता, प्रगतिवाद का प्रारम्भ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, उदय के कारण, वैचारिक दृष्टिकोण, प्रमुख कवि – दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन।

प्रयोगवाद –

नामकरण, उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, तारसप्तक और सप्तक की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद, प्रमुख कवि – अज्ञेय, धर्मवीर भारती, मुक्तिबोध, शमशेर, गिरिजाकुमार माथुर आदि।

नई कविता –

उदय की कारणमूलक परिस्थितियाँ, नामकरण की सार्थकता, प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, वैशिष्ट्य, प्रमुख कवि। समकालीन कविता सामान्य परिचय।

इकाई – 5

गद्य –

खड़ी बोली हिन्दी गद्य – उद्‌भव और विकास, उद्‌भव के कारण (पूर्व भारतेन्दु युग, भारतेन्दु युग, प्रेरणा स्रोत, विभिन्न व्यक्तियों का योगदान, द्विवेदी युग, उत्तर द्विवेदी युग), हिन्दी के प्रमुख गद्यकार और उनका मौलिक अवदान। प्रमुख गद्य विधाओं का ऐतिहासिक विकास (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, एकांकी, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र)।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई में से 1 प्रश्न पूछते हुए कुल 7 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, इनमें से विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से 5 प्रश्न हल करने होंगे।
4. खंड स में पॉचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	प्रत्येक इकाई में से 1 प्रश्न पूछते हुए कुल 7 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से 5 प्रश्न हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. आदिकाल की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक – नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
9. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियां – डॉ.शिवकुमार शर्मा
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास – डॉ. श्रीकृष्ण लाल
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
12. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
13. छायावाद – डॉ. नामवर सिंह
14. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियां – डॉ. नामवर सिंह
15. नया हिन्दी काव्य – शिवकुमार शुक्ल
16. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएं – डॉ. जगदीश गुप्त
17. आधुनिक गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी गद्य : उद्‌भव और विकास – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
19. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
20. साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप – सुमन राजे
21. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास – किशोरी लाल गुप्त
22. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
23. हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
24. भक्ति का विकास – मुंशीराम शर्मा
25. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बरदास बड़वाल
26. भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना – प्रेम शंकर
27. वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन – मलिक मोहम्मद